भ्रष्टाचार अपराध की जननी और विकास का सबसे बड़ा शत्रु है तथा इसकी जड़ें समाज को भीतर तक खोखला कर देती हैं । समाज चाह कर भी विकास की राह पर आगे नहीं बढ़ पाता है । लोकतंत्रीय शासन व्यवस्था में जनता को जनार्दन माना जाता है, ऐसे में जनता-जनार्दन को लोक निधि की रक्षा के लिए सजग, सतर्क और दृढ़ संकल्पित रहकर इसकी निगाहबानी करनी होगी । लोक निधि की लूट की छूट तथा किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती है । सिर्फ सरकार और सरकारी तंत्र के भरोसे भ्रष्टाचार का खात्मा दिवास्वप्न होगा, इसके लिए सबको लोक प्रहरी की भूमिका निभानी होगी । भ्रष्टाचार के कारण लाखों प्रतिभावान युवा अवसर से वंचित हो जाते हैं और हीन भावना से ग्रस्त होकर नकारात्मक वातावरण बनाने में लग जाते हैं । यह बातें बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री विजय कुमार सिन्हा ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध जन जागरूकता के लिए 26 अक्तूबर से 01 नवम्बर, 2021 तक चलाये जा रहे सतर्कता अभिचेतना सप्ताह के आयोजन के अवसर पर कही । श्री सिन्हा ने कहा कि भ्रष्टाचार की प्रवृति समाज के मुट्ठी भर लोगों में ही पायी जाती है और ऐसे लोग पूरे तंत्र की सकारात्मकता को न केवल प्रभावित करने का कुत्सित प्रयास करते हैं, बल्कि वे लोग समाज के साथ-साथ राष्ट्र के भी सबसे बड़े दुश्मन हैं, जिन्हें चिन्हित कर कानूनी और सामाजिक दंड भी दिया जाना चाहिए । श्री सिन्हा ने इसके खिलाफ लड़ाई के लिए आयोजित सतर्कता अभिचेतना सप्ताह की सफलता के लिए राज्य सरकार को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ भी दीं और कहा कि भ्रष्टाचार निरोध की यह व्यवस्था शासन-प्रशासन के हर स्तर तक और अधिक प्रभावकारी ढंग से लागू होने पर बिहार विकास के पथ पर और तेजी से अग्रसर हो सकेगा । इस तरह से संपूर्ण बिहार में सुशासन पहले से अधिक प्रभावशाली हो जायेगा ।